महापुरूषों की वाणी

कोई भी देश सच्चे अर्थों में तब तक स्वतंत्र नहीं हो सकता जब तक वह अपनी भाषा नहीं बोलता, हिन्दी को हम राष्ट्रीय भाषा मानते हैं, वह राष्ट्रीय होने योग्य है ।

महात्मा गांधी

हिन्दी के द्वारा ही सारे भारत को एक रूप में पिरोया जा सकता है।

स्वामी विवेकानंद

हिन्दी भारत के लिए वरदान है ।

आचार्य विनोबा भावे

सब लोग अपनी-अपनी मातृभाषा की रक्षा करते हुए हिन्दी को सामान्य भाषा के रूप में पढ़े।

अरविन्द घोष

सारे संसार में भारत ही एक अभागा देश है, जहाँ सारा कारोबार एक विदेशी भाषा में होता है ।हम संकल्प लें कि हम अपना अधिकतम कार्य हिन्दी में करेंगे ।

महात्मा गांधी

जिस देश की अपनी भाषा नहीं, उसे जीने का अधिकार ही क्या हो सकता है ।

महात्मा गांधी

अपनी भाषा और अपनी श्रेष्ठता का ज्ञान ही यथार्थ मनुष्यत्व है ।

महाकवि निराला

हिन्दी हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक व्यवहार में आने वाली भाषा है ।

राहुल सांकृत्यायन

सरलता, बोध गभ्यता और शैली की दृष्टि से विश्व की भाषाओं में हिन्दी महानतम स्थान रखती है ।

डॉ अमरनाथ झा

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल ।

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

हिन्दी भारत की अमर वाणी है । यह स्वतंत्रता और सम्प्रभुता की गरिमा है ।

माखन लाल चतुर्वेदी

संसार की कोई भी भाषा मनुष्य जाति को ऊँचा उठाने, मनुष्य को यथार्थ में मनुष्य बनाने तथा संसार को सभ्य बनाने में उतनी सफल नहीं हुई जितनी आगे चलकर हिन्दी होगी।

गणेश शंकर विद्यार्थी

देवनागरी दुनिया की सर्वाधिक वैज्ञानिक लिपि है ।

राहुल सांकृत्यायन

हम हिन्दुस्तानियों का एक ही सूत्र रहे- हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी, हमारी राष्ट्रलिपि नागरी ।

रेहाना तैयबजी

हिन्दी समस्त देश को एकता के सूत्र में बाँधने वाली भाषा है, इसलिए इसका राष्ट्रभाषा के पद पर प्रतिष्ठित होना उचित है ।

विमल मित्र

भारतीय भाषा ही राष्ट्रभाषा हो सकती है, कोई विदेशी भाषा नहीं ।

प्रत्येक देश को किसी संपर्क भाषा की आवश्यकता होती है और वह स्थान भारतवर्ष में केवल हिन्दी ही ले सकती है ।

इंदिरा गांधी

हिन्दी पढ़ना और पढ़ाना हमारा कर्तव्य है उसे हम सबको अपनाना है ।

लाल बहादुर शास्त्री

गुरू गोविन्द सिंह के साहित्य को समझने के लिये हिन्दी जानना बहुत आवश्यक है। कोई भाषा किसी धर्म विशेष की नहीं हुआ करती ।

ज्ञानी जैलसिंह

जो हिन्दी अपनाएगा वही आगे चलकर अखिल भारतीय सेवा में जा सकेगा और देश का नेतृत्व भी वही कर सकेगा जो हिन्दी जानता होगा ।

नीलम संजीव रे□ी

अमर भारती की इस लाड़ली ''हिन्दी'' के स्वरों में भारत की राष्ट ्रीय आत्मा बोलती है ।

डॉ सम्पूर्णानंद

प्रान्तीय भाषाओं के क्षेत्र पर जरा भी हमला किए बिना आपस के व्यवहार के लिए हमारा अखिल भारतीय माध्यम हिन्दी होना चाहिए ।

जवाहरलाल नेहरू

हिन्दी को अपनाये बिना राष्ट्रीय एकता संभव नहीं ।

आचार्य कृपलानी

सभ्य संसार के किसी भी जन-समुदाय की शिक्षा का माध्यम विदेशी

देश की सबसे बड़े भू-भाग में बोली जाने वाली हिन्दी ही राष्ट्रभाषा पद की अधिकारिणी है ।

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस

वास्तविकता तो यह है कि हिन्दी के विकास में दक्षिण का जितना योगदान है उतना उत्तर प्रदेश या अन्य हिन्दी भाषी इलाकों का भी नहीं है ।

डॉ शंकरदयाल शर्मा

भाषा राष्ट्रीय एकता का सशक्त साधन है । हिन्दी इस दृष्टि से एकता का अच्छा माध्यम बन सकती है ।

लाल बहादुर शास्त्री

जब एक प्रांत के लोग दूसरे प्रांत के लोगों से मिलें तो परस्पर वार्तालाप हिन्दी में ही होना चाहिए ।

लोकमान्य तिलक

हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने में प्रांतीय भाषाओं की हानि नहीं, वरन लाभ है ।

अनंत शयन आयंगार

नगरी लिपि में सभी भारतीय भाषाएँ लिखी जाने पर उनमें भेद की दीवार समाप्त हो जाएगी

भूदेव मुकर्जी

मैं हिन्दी प्रेमी हूँ सांस्कृतिक जीवन में हिन्दी के महत्व को भलीभांति समझता हूँ भारतीय एकता का मुख्य साधन हिन्दी ही बन चुकी है इसलिए हिन्दी का विरोध करना भारतीय राष्ट्र का विरोध करना है

डॉ सुनीति कुमार चटर्जी

भाषा नहीं है ।

मदनमोहन मालवीय

हिन्दी वह धागा है जो विभिन्न मातृभाषा रूपी फूलों को पिरोकर भारत माता के लिए सुन्दर हार का सृजन करता है ।

डॉ ज़ाकिर हुसैन

मेरा दृढ़ विश्वास है कि हिन्दी सम्पर्क भाषा बनकर ही रहेगी।

वी व़ी ग़िरी

हिन्दी की होड़ किसी प्रान्तीय भाषा से नहीं, केवल अंग्रेजी के साथ है ।

डॉ ऱाजेन्द्र प्रसाद

भाषा और साहित्य की जागृति राष्ट्रीय उन्नति के मार्ग की पहली मंजिल है ।

पुरूषोत्तम दास टंडन

राष्ट्रीय मेल और राजनीतिक एकता के लिए सारे देश में हिन्दी और नागरी का प्रचार आवश्यक है ।

लाला लाजपत राय

प्रांतीय ईर्ष्या, द्वेष दूर करने में जितनी सहायता हिन्दी- प्रचार से मिलेगी, उतनी दूसरी चीज से नहीं ।

सुभाषचन्द्र बोस

हिन्दी देश की एकता की कड़ी है ।

डॉ ज़ाकिर हुसैन

भारत की अखंडता और व्यक्तित्व बनाए रखने के लिए हिन्दी का प्रचार अत्यंत आवश्यक है

महाकवि शंकर कुरूप

दुनिया भर में भारत को छोड़कर कोई भी ऐसा देश नहीं मिलेगा जहाँ एक विदेशी भाषा के माध्यम से शिक्षा दी जाती हो ।

महाकवि पीक्कुंजि

राजभाषा और राष्ट्रभाषा के द्वारा ही समाज में परिवर्तन और सामाजिक क्रांति संभव है

विष्णुरामन शिखाड़कर 'कुसुमाग्रज'

प्रत्येक प्रांत की मैत्री, एकता और इसके बीच सौमनस्य बनाये रखने के लिए हिन्दी ही एक कड़ी है ।

गुलाबदास बोकर

हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा और नागरी हमारी राष्ट्रलिपि है ।

बी क़े बालकृष्ण नायर

मैं शुद् अंग्रेजी बोलने के बजाय अशुद्घ हिन्दी बोलना पंसद करता हूँ क्योंकि वह मेरी राष्ट्रभाषा है। राष्ट्रभाषा की अभिवृद्ि से ही अन्य भारतीय भाषाओं की अभिवृद्ि संभव है।

कालीचरण पाणिग्रही

उत्तर न दक्षिण भारत का सेतु हिन्दी ही हो सकती है ।

प्रोफेसर चन्द्रहासन

थोड़े से अभ्यास से विज्ञान पर एक सीमा तक हिन्दी में अच्छी

क्षेत्रीय भाषाओं के अपनाने के जोश में सम्पर्क भाषा हिन्दी के विकास की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए ।

डॉ बी गोपाल

स्वभाषा और राष्ट्रभाषा के द्वारा ही समाज में परिवर्तन और सामाजिक क्रांति संभव है

विष्णुवामन शिखाड़कर 'कुसुमाग्रज'

हिन्दी सीखे बिना भारतीयों के दिल तक नहीं पहुंचा जा सकता ।

डॉ लोहार लुत्थे (जर्मन विचारक)

हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है, जो भारत में सर्वत्र बोली और समझी जाती है ।

डॉ ज़ार्ज ग्रियर्सन

किसी भी राष्ट्र का सम्मान उस अवस्था में होता है जब उसके नागरिकों के हृदय में अपने देश और भाषा के प्रति आत्म-सम्मान की भावनी होती है ।

डॉ कामिल बुल्के

हिन्दी सीखने का कार्य ऐसा त्याग है जिसे दक्षिण भारत के लोगों को राष्ट्रीय एकता के हित में करना चाहिए ।

एनी बेसेन्ट

मातृभाषा परित्यज्यों अन्य भाषा मुपासते, तत्र यान्तिहि ते देशाः यत्र सूर्यो न भासते।

+अर्थात जो अपनी मातृभाषा को छोड़कर अन्य भाषा का आश्रय लेते हैं, ऐसे देश (राष्ट्र) का जीवन सदा के लिए अंधकारमय हो जाता है और वहां कभी स्वतंत्रता का ज्ञान का सूर्य प्रदीप्त नहीं

होता ।

प्रो ओदोलेन स्मेकल